ST. ARNOLD'S CENTRAL SCHOOL, PUNE

FINAL EXAMINATION, 2017-18

Std.: IX **SUBJECT: HINDI B** **Marks : 80**

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्न पत्र में चार खण्ड है – क, ख, ग और घ ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड क – अपठित बोध

प्र. १ क) निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढें और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें । (०९)

आवश्यकता इस बात की है कि हमारी शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषा हो, जिसमें राष्ट्र के हृदय–मन–प्राण के सूक्ष्मतम और गंभीरतम संवेदन मुखरित हों और हमारा पाठ्यक्रम यूरोप तथा अमेरिका के पाठ्यक्रम पर आधारित न होकर हमारी अपनी सांस्कृतिक परंपराओं एवं आवश्यकताओं का प्रतिनिधित्व करे । भारतीय भाषाओं, भारतीय इतिहास, भारतीय दर्शन, भारतीय धर्म और भारतीय समाज–शास्त्र को हम सर्वोपरि स्थान दें । उन्हें अपने शिक्षाक्रम में गौण स्थान देकर या शिक्षित जन को उनसे वंचित रखकर हमने राष्ट्रीय संस्कृति में एक महान रिक्तता को जन्म दिया है, जो नई पीढी को भीतर से खोखला कर रही है । हम राष्ट्रीय परंपरा से ही नहीं, सामायिक जीवन प्रवाह से भी दूर जा पड़े हैं । विदेशी पश्चिमी चश्मों के भीतर से देखने पर अपने घर के प्राणी भी बे–पहचाने और अजीब–से लगने लगे हैं । शिक्षित जन और सामान्य जनता के बीच खाई बढती गई है और विश्व–संस्कृति के दावेदार होने का दंभ करते हुए भी हम घर में वामन ही बने रह गए है।

इस स्थिति को हास्यास्पद ही कहा जा सकता है ।

१) हमारी शिक्षा का माध्यम कौन-सी भाषा होनी चाहिए और क्यों ? (०२)

२) हमारी शिक्षा में कैसे पाठ्यक्रम की आवश्यकता है ? क्यों ? (०२)

३) राष्ट्रीय संस्कृति में रिक्तता किस प्रकार आई ? इसे दूर करने के लिए क्या करना चाहिए ? (०२)

४) शिक्षित जन और सामान्य जनता के मध्य निरंतर अंतर बढने का क्या कारण है ? (०२)

५) 'आधारित' शब्द में से उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए । (०१)

प्र. २ निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए । (०६)

विघ्नों का दल चढ आए तो, उन्हें देख भयभीत न होंगे,
अब न रहेंगे दलित दीन हम, कहीं किसी से हीन न होंगे ।
क्षुद्र स्वार्थ की खातिर हम तो, कभी न गर्हित कर्म करेंगे
पुण्य भूमि यह भारत माता, जग की हम तो भीख न लेंगे ।
मिसरी–मधु–मेवा फल सारे, देती हमको सदा यही है,
कटली–चावल–अन्न विविध और क्षीर सुधामय लुटा रही है ।
आर्यभूमि उत्कर्षमयी यह, गूँजेगा यह गान हमारा,
कौन करेगा समता इसकी, महिमामय यह देश हमारा ।
सम्मानित जो सकल विश्व में, महिमा जिनकी बहुत रही है,
अमर ग्रंथ वे सभी हमारे, उपनिषदों का देश यही है ।
गाएँगे यश हम सब इसका, यह है स्वर्णिम देश हमारा,
यह है भारत देश हमारा ।

१) कवि किन–किन कार्यों से बचने का संकल्प व्यक्त कर रहा है ? (०२)

२) भारत माता हमें क्या–क्या देती है ? (०२)

३) कवि ने हमारे देश को कैसा बताया है ? (०२)

खंड ख – व्यावहारिक व्याकरण

प्र. ३ क) निम्नलिखित शब्दों का वर्ण–विच्छेद कीजिए । (०५)

विकेता, प्राण

ख) 'चञ्चल' में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रुप लिखिए ।

ग) 'आंवला' शब्द में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द को दोबारा लिखिए ।

घ) 'जिंदगी' शब्द में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए ।

प्र. ४ क) निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए – (०४)

१) दिक् + अंबर २) शिर: + रेखा

ख) निम्नलिखित शब्दों में संधि–विच्छेद कीजिए –

१) लोकोपचार २) राजर्षि

प्र. ५ क) निम्नलिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग अलग कीजिए – (०६)

अनुज

ख) निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय अलग कीजिए –

१) प्रेमी २) अवरोध

ग) निम्नलिखित वाक्यों में विराम–चिह्न लगाइए –

१) अरे दीपक तुम कब आए

२) मालिक ने कर्मचारियों से कहा वे सही समय पर कार्यालय आएं

३) मां मैं खेलने जा रहा हूं

खंड ग – पठित बोध

प्र. ६ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

१) कौन–से लोग धार्मिक लोगों से अधिक अच्छे है ? (०२)

२) सरकारी नौकरी छोड़ने के पीछे रामन की क्या भावना थी ? (०२)

३) कीचड़ के प्रति किसी को सहानुभूति क्यों नहीं होती ? (०१)

प्र. ७ महादेव के किन गुणों ने उन्हें लोकप्रिय बनाया था ? (०५)

अथवा

मध्यवर्गीय परिवारों में अतिथि का जल्दी वापस चला जाना सुखद क्यों होता है ? 'तुम कब जाओगे' अतिथि पाठ के आधार पर बताइए ।

प्र. ८ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

१) हमें अपना दुख दुसरों पर क्यों नहीं प्रकट करना चाहिए ? पठित दोहे के आधार पर उत्तर दीजिए। (०२)

२) 'खुशबू रचते है हाथ' से कवि का क्या अभिप्राय है ? (०२)

३) ईश्वर के प्रति रैदास जी की भक्तिभावना कैसी है ? (०१)

प्र. ९ गीत–अगीत कविता के आधार पर लिखिए की सभी कुछ गीत है, अगीत कुछ नहीं होता'। कुछ अगीत भी होता है क्या ? (०५)

अथवा

'अग्निपथ' कविता का केंद्रिय भाव लिखिए ।

प्र. १० 'दिये जल उठे' पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए । (०५)

अथवा

भारत में हिन्दु–मुसलमानों के परस्पर संबंधों के विषय में लिखिए और बताइए कि इससे आपको क्या शिक्षा मिलती है ?

खंड ब – लेखन

प्र. ११ निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ८०–१०० शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । (०५)

१) विश्वशांती

- विश्वशांति का अर्थ
- विश्वशांति की आवश्यकता
- विश्वशांति के संभावित उपाय

२) मधुर वचन है औषधि –

- मधुर वचन का महत्त्व
- कटुभाषी व्यक्ति निंदा का पात्र
- महापुरुषों का आभूषण

३) इंटरनेट का जीवन में उपयोग –

- समय की बचत
- शिक्षा में सहायक
- विभिन्न विषयों की जानकारी

प्र. १२ आपके जन्मदिन पर आपके मित्र ने एक अति सुंदर दीवार घड़ी भेंट की है, जो आपके लिए बहुत उपयोगी है । उसे धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए । (०५)

अथवा

विद्यार्थी के लिए पुस्तकालय की उपयोगिता बताते हुए छोटे भाई को पत्र लिखिए ।

प्र. १३ क्रिकेट मैच के परिणाम के बारे में दो दर्शकों में होनेवाली बातचीत लगभग ५० शब्दों में लिखिए। (०५)

अथवा

अनुशासन के महत्व को लेकर अध्यापक–छात्र के बीच संवाद को लगभग ५० शब्दों में लिखिए ।

प्र. १४ आप एक नया मोबाईल शोरूम खोलने जा रहे है, उसके लिए लगभग ५० शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। (०५)

अथवा

किसी टूथपेस्ट के लिए लगभग ५० शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।

प्र. १५ नीचे दिए गए चित्र का वर्णन लगभग ३० शब्दों में कीजिए । (०५)